



J.N.L. College

Khagaul, Patna-801105

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

E-mail : jnl_college@yahoo.com | Website : www.jnlcollegekhagaul.org

Principal Office

Ref.No. 457 / 65 / 2024

Date 21 / 6 / 2024

Declaration

This is to certify that the data includes in this self-study Report (SSR) are true to the best of my knowledge. This SSR is prepared by the institution after discussion and no part thereof has been outsourced.

I/We am/are aware that the peer team will validate the information provided in this SSR during the peer team visit.


20.6.24
Prof. (Dr.) Nikhil Kumar Singh
IQAC Director
J.N.L. College, Khagaul,
Patna

IQAC Director
J.N.L. COLLEGE
KHAGAUL, PATNA 801105


20/6/24


20.06.2024
Prof. (Dr.) Madhu Prabha Singh
Principal
J.N.L. College, Khagaul,
Patna

Principal
J.N.L. College
Khagaul, Patna

राम काव्य का वैश्विक स्वरूप और जीवन दृष्टि

संपादक : डॉ. मधु प्रभा सिंह

राम काव्य का वैश्विक स्वरूप
और
जीवन दृष्टि

संपादक
डॉ. मधु प्रभा सिंह

011/1

KGMI
KATHMANDU PUBLICATIONS

Dr. Krishnachandra Mishra Publication Pvt.
Ltd.
Kathmandu, Nepal

साहित्यलोक

भाषा, साहित्य, संस्कृति और साहित्यिक सिद्धान्त की अनुसंधानपरक शोध पत्रिका

खण्ड ४३ | अंक २ | अक्टूबर २०१९ | पृष्ठ (सन् २०२२)

संगोष्ठी विशेषांक

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में राम और रामायण का स्वरूप

प्रधान सम्पादक

डॉ. रंजिता वर्मा

सम्पादक

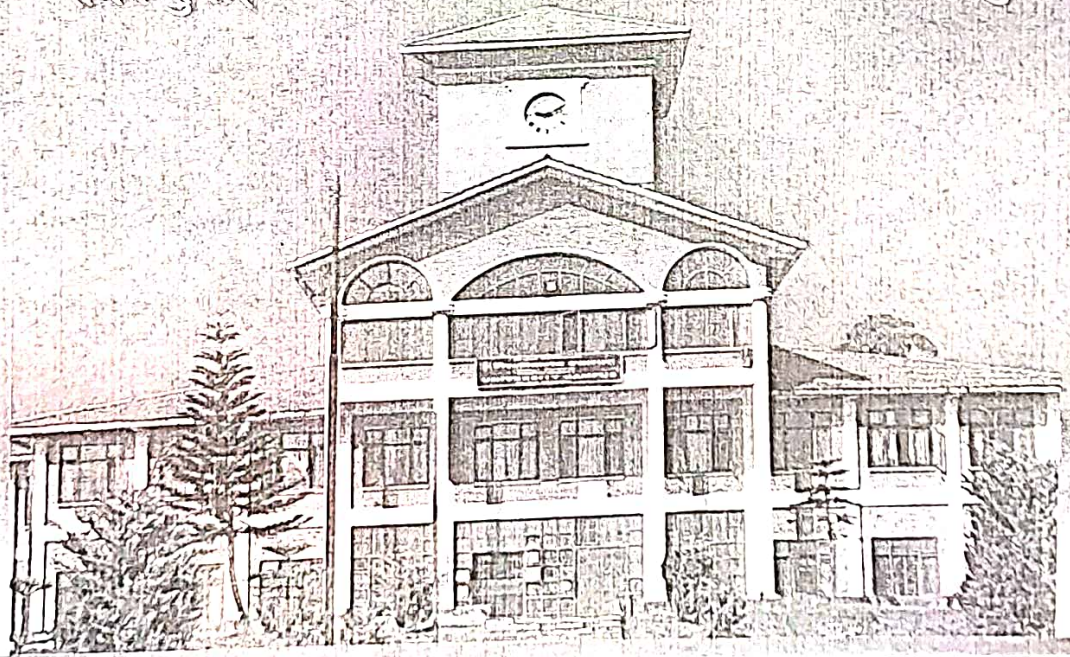
डॉ. सुमन रणौ

रंजय कुमार

सह सम्पादक

डॉ. श्वेता दीप्ति

प्रीति गुप्ता



हिन्दी केन्द्रीय विभाग, विभुवन विश्वविद्यालय, कोशीपुर, नेपाल

91

अनुक्रम

	सम्पादकीय	5
1.	निराला : राम की शक्तिपूजा प्रीति देवी	11
2.	तुलसीदास और रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड के विशेष संदर्भ में अनूप कुमार पटेल	16
3.	रामकाव्य परंपरा और साकेत रूपम कुमारी	20
4.	वाल्मीकि रामायण में सांगीतिक तत्व गुरप्रीत कौर	25
5.	रामचरित मानस में राम का स्वरूप प्रिया सिंह	31
6.	मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श चरित्र का अध्ययन गीता देवी	35
7.	वाल्मीकि और रामायण डॉ सत्यनारायण एच.के.	41
8.	छत्तीसगढ़ की संस्कृति में राम और रामचरितमानस के प्रभाव का अध्ययन डॉ. अरविन्द कुमार जगदेव	47
9.	मर्यादा पुरुषोत्तम राम का स्वरूप एवं रामचरितमानस डॉ. बारेलाल जैन	55
10.	विश्व में रामायण का स्वरूप डॉ. रामटहल दास	59
11.	रामचरित मानस एवं दलित विमर्श : एक विश्लेषणात्मक परिदृष्टि डॉ. मधु प्रभा सिंह	64
12.	रामचरितमानस में वर्णित घटनाओं में वैज्ञानिकता डॉ. शिवदयाल पटेल	69
13.	प्रेमचंद के कथा साहित्य में नारी विमर्श राजेश कुमार चौहान	78



उत्तर छायावादी कविताओं में राष्ट्र बोध

डॉ. यशरत

सहायक प्राध्यापिका

जगत नारायण लाल कॉलेज, खर्गाव

दी के तीसरे दशक के पूर्वार्ध में सम्पूर्ण भारतवर्ष आज़ादी के अमृत महोत्सव में मराबोर हो रहा है। ऐसे में यह प्रश्न है कि साहित्य जगत भी इस पावन महोत्सव में अपनी महती भूमिका तय करे। इन्हीं बातों को ध्यान में रख कर स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी साहित्य की भूमिका पर विचार मंथन करते हुए उत्तर-छायावादी कवियों एवं उनकी रचना केन्द्रित हुआ। फलस्वरूप इस संगोष्ठी हेतु मेरे शोध प्रपत्र का विषय है - "उत्तर छायावादी कविताओं में राष्ट्र बोध

स्वतंत्रता आंदोलन के उत्तरोत्तर विकास के साथ हिंदी कविता और कवियों के राष्ट्रीय स्थिते में जननीतिक घटनाक्रम में कवियों के तेवर बदलते रहे और कविता की धार भी तेज होती गई। आंदोलन के प्रारम्भ में ही प्राप्ति तक हिंदी काव्य संघर्षों से जूझता रहा। संघर्ष के इसी दौर में "मुक्ति की आकांक्षा" के स्वर हिंदी काव्य के 'तद' में मुखरित हुए और 'उत्तर छायावाद' में पुष्पित-पल्लवित होकर स्वतंत्रता आंदोलन को एक नए रूप में उदात्त साहित्यिक कालखंड में उत्तर छायावाद के नाम से जाना गया।

उत्तर छायावादी कवि उत्सर्गधर्मी राष्ट्रीयता का सन्देश देते हैं और इसके लिए ओज़ और मन्ती के स्वर को लेते होते हैं। अपनी मस्ती, उमंग एवं उल्लास में मदमस्त ये कवि युगीन परिवेश के प्रति जागरूक थे। प्रगतिशीलता का भावना, धार्मिक-सामाजिक रूढ़ियों का विरोध आदि के द्वारा वे देश के प्रति अपनी चिंता को व्यक्त कर रहे थे। इनने तद्दुर्गीन आशा-निराशा से भरी परिस्थितियों को देश और विश्व के व्यापक यथार्थ से जोड़कर उसे जनता तक पहुँचाने का साधकत्व को सिद्ध किया।

अपनी मातृभूमि को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त करना ही उनका परम कर्तव्य था जिसका निर्वाह वे ज़ोर और त्वाधीनता - संग्राम में सक्रिय भाग लेकर कर रहे थे। कवि अपने संकुचित 'स्व' के घेरे से निकल 'पर' का दिग्गम लगा। पराधीनता के प्रति आक्रोश से भरा कवि मन पुकार उठा-

"कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाये।
एक हिलोर इधर से आए, एक हिलोर उधर को जाये।
नाश! नाश! हाँ महानाश! की, प्रलयकारी आँख खुल जाये!"

ये कवि देशवासियों को आगाह करते हुए कहते हैं --

"कब तक क्रूर प्रहार सहोगे?
कब तक अत्याचार सहोगे?
कब तक हाहाकार सहोगे?
उगे राष्ट्रके हैं अभिमानी
सावधान मेरे सैनानी!"

समय गतिमान व सतत परिवर्तनशील होता है। किन्तु जब अतीत के कवि और काव्य के कोई मूल्य वर्तमान के कार्य करते हैं, तो अतीत के वे कवि और उनका चिंतन हमारे लिए महत्वपूर्ण हो जाते हैं। आज हम एक आज़ाद राष्ट्र हैं किन्तु मानसिक पराधीनता से हमें पूर्णतः मुक्ति नहीं मिल पायी है। ऐसे में उत्तर-छायावादी कवियों की कविता स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बल्कि आज भी उतनी ही प्रासंगिक नज़र आती है। शोध-पत्र में इसकी चर्चा विस्तार से की जाएगी।



साहित्य संस्कृति फाउंडेशन
एन. एन. कॉलेज



केंद्रीय हिंदी संस्थान
एन. एन. कॉलेज, पटना



अनंत नारायण प्रसाद
एन. एन. कॉलेज



आजादी का
अमृत महोत्सव

'आजादी का अमृत महोत्सव'

के उपलक्ष्य में

राष्ट्रीय संगोष्ठी

स्वाधीन भारत में सांस्कृतिक पुनरुत्थान के आयाम

14-15 मई 2022

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि..... डा० अद्वैतिका कुमारी, सहायक प्राचार्य

अनंत नारायण लाल कॉलेज, पटना... ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में साहित्य संस्कृति फाउंडेशन, केंद्रीय हिंदी संस्थान (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) एवं ए. एन. कॉलेज, पटना द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सक्रिय सहभागिता की तथा

भारतीय संस्कृति का वैश्वीकरण

विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

हम इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

डा०. विजय कुमार मिश्र
अध्यक्ष, साहित्य संस्कृति फाउंडेशन

प्रो. एस. पी. शाही
प्राचार्य, ए. एन. कॉलेज, पटना

प्रो. बीना शर्मा
निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान

Chapter 9

Role of Arbuscular Mycorrhizal Fungi in Amelioration of Drought Stress in Crop Plants



Pallavi and Anil Kumar Sharma

Abstract Present chapter addresses the importance of arbuscular mycorrhizal (AM) symbiosis in the mitigation of one of the most limiting environmental constraints in terms of global crop productivity loss, i.e. drought/water stress. Superior root morphology leading to enhanced water and nutrient uptake, better antioxidant machinery to fight the elevated reactive oxygen species (ROS), along with improved osmotic adjustment by accumulating high levels of compatible solutes like proline, glycine betaine, sugars, etc., are among the multifaceted factors which make AM association far more significant than any other symbiotic association in plants. So far little progress has been made on molecular level to understand the mechanisms of this miraculous organism which include the involvement of aquaporins, some binding protein genes (BiPs), MAPK pathway genes, and stress responsive genes like proline dehydrogenase, invertase, proline synthetase, etc. However, with the advancement of new age molecular techniques it seems possible that the unravelling of this mystery is not far away.

Abbreviations

AM	Arbuscular Mycorrhiza
ATP	Adenosine triphosphate
BiP	Binding proteins
CAT	Catalase
EEA	European Environment Agency
ERM	extraradical mycelium
GOGAT	Glutamine synthase
GS	Glutamine synthetase

Pallavi

Pallavi (✉)
Department of Botany, J.N.L. College, Patliputra University, Patna, Bihar, India

A. K. Sharma
Department of Biological Sciences, College of Basic Science and Humanities, G.B. Pant
University of Agriculture and Technology, Pantnagar, Uttarakhand, India

© Springer Nature Singapore Pte Ltd. 2021
A. Sharma (ed.), *Microbes and Signaling Biomolecules Against Plant Stress*,
Rhizosphere Biology, https://doi.org/10.1007/978-981-15-7094-0_9

169

Chapter 7

Proteomics for Understanding the Interaction Between Plant and Rhizospheric Microflora



Ramesh Namdeo Pudake, Pallavi, and Mrinalini Singh Pundir

Abstract Rhizosphere is a complex system of biological activities of plants and microflora. Interaction between plants and microbes residing in its rhizosphere has been point of interest among the scientific communities for a long time. In-depth knowledge of these interactions is crucial to the current world scenario in context of food availability. Metagenomics and metatranscriptomic studies are being done with the objective elucidate the diversity of culturable and nonculturable microbiome. But this information is incomplete without understanding their functional role in plant-microbiome interaction. Complete proteome represents the ongoing metabolic processes happening in soil at particular time and needs to be studied for knowing the key players in functionality of microbiome. Metaproteomics is emerging tool that sketch the information about entire proteins present in a specific environmental situation at a particular time. It correlates the diversity and functionality of soil microorganisms in both dominant species and at community level. With the help of traditional tools, the development of high-throughput proteomics tools like mass spectrometry, the better understanding of functional aspects of soil complex system has become feasible. However, the progress is little bit slow due to the presence of some bottle neck like presence of various interfering molecules present in the soil samples, scarcity of soil proteome databases, etc. This chapter discusses proteomics tools that are available and review recent studies where the proteomics tools have been applied to decode the underlying processes responsible for differential functioning of soil microbiome in diverse environments.

R. N. Pudake (✉)

Amity Institute of Nanotechnology, Amity University Uttar Pradesh, Noida, Uttar Pradesh, India
e-mail: mpudake@amity.edu

Pallavi

J.N.L. College Khagaul, Patliputra University, Patna, Bihar, India

M. S. Pundir

Department of Biological Sciences, College of Basic Science and Humanities, G.B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, U.S Nagar, UK, India

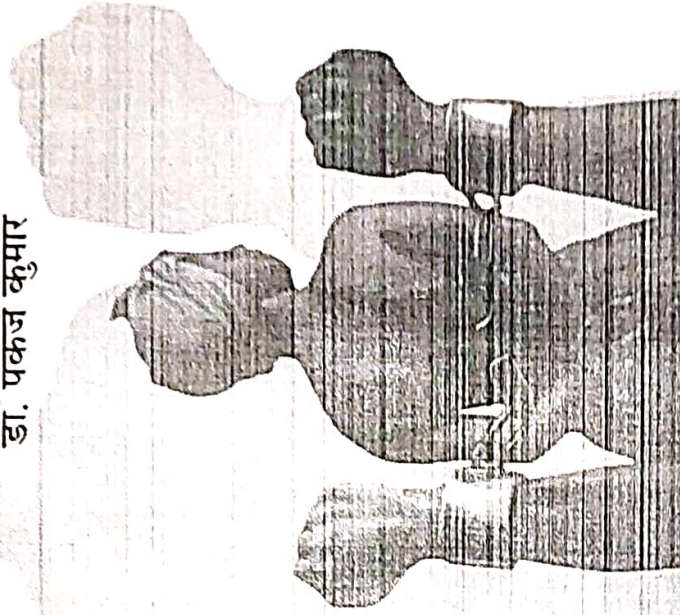
© Springer Nature Singapore Pte Ltd. 2021

R. N. Pudake et al. (eds.), *Omics Science for Rhizosphere Biology*, Rhizosphere Biology, https://doi.org/10.1007/978-981-16-0889-6_7

113

बहुजन राजनीति यथार्थ और भविष्य

डॉ. दिलीप कुमार
डॉ. पंकज कुमार



बहुजन राजनीति यथार्थ और भविष्य

बहुजन राजनीति का अर्थ है जनता के बहुमत के आधार पर शासन का प्रयोग। यह एक लोकतान्त्रिक व्यवस्था है।

इस व्यवस्था में जनता के अधिकारों का सुरक्षा के लिए एक संसदीय व्यवस्था का प्रयोग किया जाता है।

इस व्यवस्था में जनता के अधिकारों का सुरक्षा के लिए एक संसदीय व्यवस्था का प्रयोग किया जाता है।

इस व्यवस्था में जनता के अधिकारों का सुरक्षा के लिए एक संसदीय व्यवस्था का प्रयोग किया जाता है।

इस व्यवस्था में जनता के अधिकारों का सुरक्षा के लिए एक संसदीय व्यवस्था का प्रयोग किया जाता है।

इस व्यवस्था में जनता के अधिकारों का सुरक्षा के लिए एक संसदीय व्यवस्था का प्रयोग किया जाता है।

इस व्यवस्था में जनता के अधिकारों का सुरक्षा के लिए एक संसदीय व्यवस्था का प्रयोग किया जाता है।

इस व्यवस्था में जनता के अधिकारों का सुरक्षा के लिए एक संसदीय व्यवस्था का प्रयोग किया जाता है।

इस व्यवस्था में जनता के अधिकारों का सुरक्षा के लिए एक संसदीय व्यवस्था का प्रयोग किया जाता है।

इस व्यवस्था में जनता के अधिकारों का सुरक्षा के लिए एक संसदीय व्यवस्था का प्रयोग किया जाता है।



श्री साहित्य संसद
नई दिल्ली-110045

श्री

Reflections on Gender Issues :
Forging Sustainable Future
Tomorrow

Editor

Dr. Avinash Kumar Jha
Associate Professor
University Department of History
Patliputra University, Patna

Co-Editor

Anup Kumar Jha
Assistant Professor & Head
Department of Economics, J.N.L. College, Khagaul
Patliputra University, Patna



Laxmi Publication
D/5, Near Durga Mandir, Indrapuri
Loni, Ghaziabad (U.P.)

ISSN No. 0975-3672

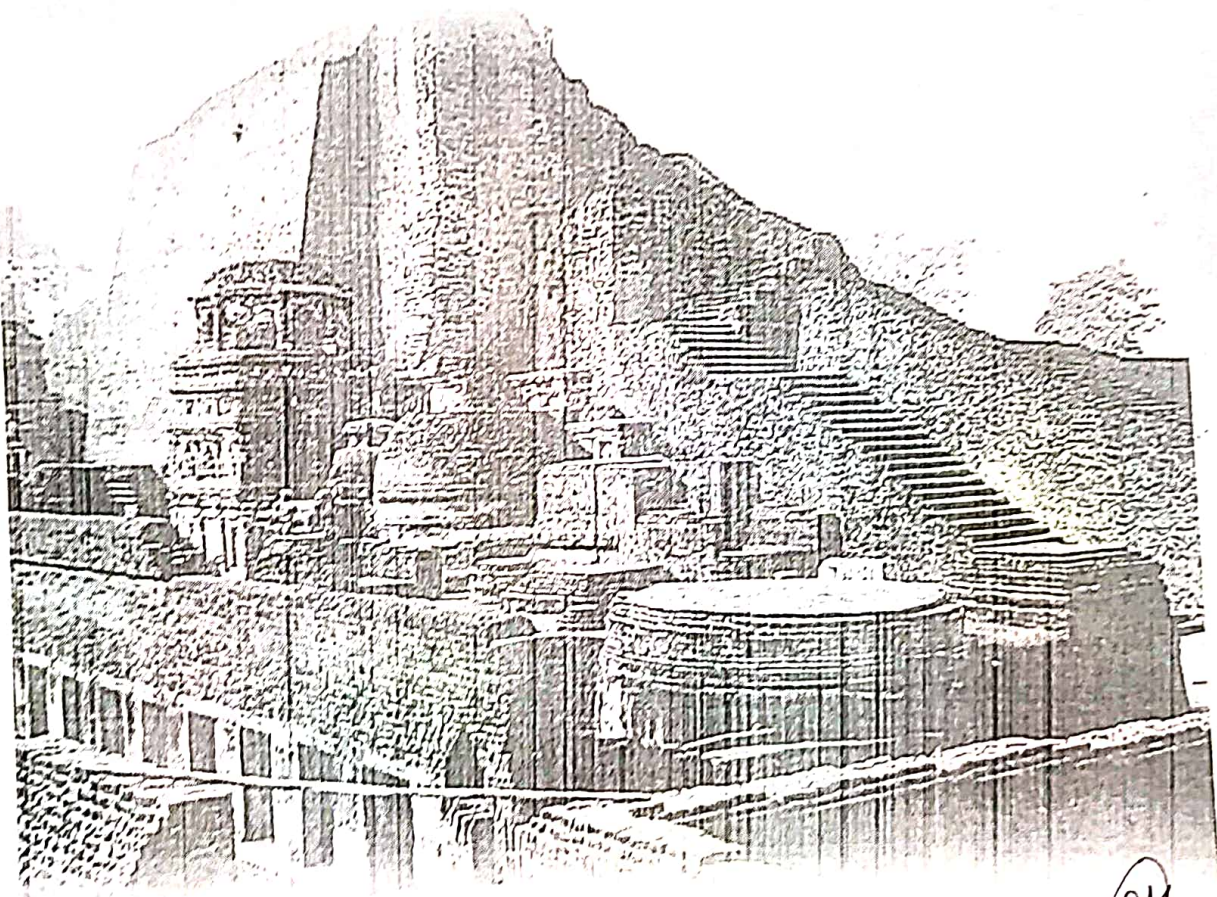
ITIHAS KI KHOJ MEIN (इतिहास की खोज में)

A Research Journal of History

Vol.-XIII

July-December, 2018

No.-1



LM



Est. 2008-2009

Edited by : Dr. Avinash K. Jha
CENTRE FOR GENDER STUDIES, PATNA

Home > Books > Leishmaniasis - General Aspects of a Stigmatized Disease

OPEN ACCESS PEER-REVIEWED CHAPTER

Visceral Leishmaniasis: Asymptomatic Facts

WRITTEN BY

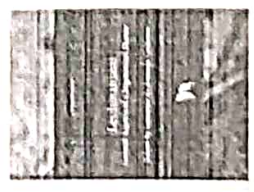
Medhevi Sudarshan and Sumit Sharan

Submitted: 17 September 2021, Reviewed: 07 October 2021, Published: 03 November 2021

DOI: 10.5772/intechopen.101109



CHAPTER METRICS
OVERVIEW
285 Chapter Downloads
View Full Metrics



FROM THE EDITED VOLUME

Leishmaniasis - General Aspects of a Stigmatized Disease

Edited by Leonardo de Azevedo Calderon

Book Details | Order Print

DOWNLOAD FOR FREE

Share

Cite

